मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन

(पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग म.प्र.)

(3)

श्रीमती रवेती बेन की समूह के माध्यम से गरीबी से मुक्ति की दास्तां

नाम	श्रीमति रवेती बेन
पति का नाम	श्री सना बामनिया
आयु	34 वर्ष
जाति	अनुसूचित जनजाति
शिक्षा	12 वीं
पारिवारिक स्थिति	6 सदस्य (पुत्र 01, 03 पुत्री)
समूह का नाम	मीरा बाई स्वयं सहायता समूह
समूह मे पद	सदस्य
ग्राम संगठन का नाम	अमृत ग्राम संगठन
ग्राम संगठन समूह मे पद	सदस्य
ग्राम का नाम	बडी वनखड़
पंचायत का नाम	बडी वनखड़
विकासखण्ड	सोण्डवा
जिला	अलीराजपुर
प्रशिक्षण प्राप्त	भोपाल, बड़वानी, हैदराबाद, वारंगल (ओएमएस)
सहयोग किया	अलीराजपुर एवं धार

श्रीमती रवेती बेन में आये परिवर्तन एक नज़र में :–

- स्वयं गरीबी से ऊपर आई
- पारिवारिक पलायन रुका
- लखपति क्लब में शामिल
- ग्राम सभा में सक्रिय भागीदारी
- सामाजिक बदलाव की प्रेरणा व सफलता का पर्याय
- आत्मविश्वासी एवं नेतृत्व कौशल से परिपूर्ण
- राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित

ये परिवर्तन कैसे हुये–

श्रीमती रवेती बेन में यह परिवर्तन कैसे हुआ आईये जानते हैं, श्रीमती रवेती का जन्म अलीराजपुर जिले के एक निर्धन अनुसूचित जनजाति परिवार में हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण रवेती को पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ी एवं क्षेत्रीय प्रचलन (जमाई प्रथा) तथा पारिवारिक दबाव के कारण जल्दी ही जिला अलीराजपुर निवासी श्री सना बामनिया से इनका विवाह हुआ।

सना बामनिया मजदूरी कर जीवन यापन कर रही थीं। शादी के बाद रवेती को 4 बच्चे कम समय अंतराल में हो गये। अब रवेती एवं सना के पास सभी बच्चों की जिम्मेदारी थी व अपने बच्चों को पलायन एवं मजदूरी से बचाकर समाज में प्रभुत्त स्थान दिलाने का सोच लिए

जीवन यापन कर रही थीं इसी लिए गुजरात जाकर 03 साल तक मजदूरी का कार्य 50 रुपये प्रतिदिन की दर पर किया।

म.प्र. आजीविका मिशन से प्राप्त हुआ मार्गदर्शनः–

मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जिला अंतर्गत सोण्डवा विकासखण्ड के ग्राम बड़ी वनखड़ सामान्य ग्रामों की भांति ही दूरस्थ अंचल में बसा है। ग्राम में कुल 199 परिवार हैं जिसमें से वर्तमान में 136 लक्षित वर्ग से 12 स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 130 परिवार स्वयं सहायता समूह के रुप में संगठित हो गये हैं।

ग्राम बड़ी वनखड़ में म.प्र. आजीविका मिशन के मिशन कर्मियों के द्वारा गांव में रात्रिकालीन सभा का आयोजन किया गया था। जिसमें समूह से जुड़कर बचत व भविष्य में होने वाले लाभ के बारे में बताया जाना था, रवेती इस बैठक मै शामिल हुईं और समूह से जुड़ गईं।

पारिवारिक स्थिति, बच्चों की जिम्मेदारी को देखते हुए बचत की राशि 10/– रूपये के लिए भी रवेती बाई को संघर्ष करना पड़ता था। कई बार ऐसा मौका भी आया कि रवेती और उनके परिवार को भरपेट खाना नहीं मिला तो कई बार सूखी रोटी नमक मिर्ची से खाकर रात गुजारनी पड़ी किन्तु हिम्मत न हारते हुए अपने आजीविका के लिए आगे बढ़ती गई।

आर्थिक बदलाव :–

रवेती बेन मीरा बाई स्वयं सहायता समूह में जुड़ीं। समूह से जुडने पर खर्चों में कटौती से बचत करने की भावना बढ़ी, सामूहिक बचत से छोटी–मोटी जरुरतें भी पूरी होने लगीं। पति कास्तकारी के अलावा मिस्त्री का कार्य भी जानते थे, किन्तु आर्थिक परेशानियों के कारण पलायन ही विकल्प था।

समूह से रवेती ने प्रारंभ में 10000 रुपये ऋण लेकर गृह निर्माण में उपयोगी आने वाले ''सीमेन्ट के खम्बे'' बनाने का कार्य प्रारंभ किया। आगे समूह से ऋण लेकर भैंस पालन, बैल क्रय एवं जैविक खाद क्रय विक्रय का काम प्रारंभ किया जिससे उन्हें अच्छी खासी आमदनी होना शुरू हुई। से उनकी वार्षिक आमदनी एक लाख पैंतालीस हजार के लगभग रहती है।

बनाई अपनी विशेष पहचानः–

श्रीमती रवेती बाई स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के उपरांत खुद अपने फलिया में 03 समूहों का गठन कर अन्य लोगों का सहयोग किया। विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त कर आज वह अपने समूह की बुक कीपिंग के अलावा, जिला व ब्लॉक स्तर एवं ग्राम स्तरीय प्रशिक्षक के रुप में अपनी सेवाएं ग्रामीण महिलाओं तक पहुंचा रहीं हैं। आज वे सक्रिय महिला के रुप में सफल सामाजिक सम्पत्ति के रुप में राज्य व जिला स्तर पर अपनीं पहचान बना चुकीं हैं।

बच्चों का समूह बनायाः–

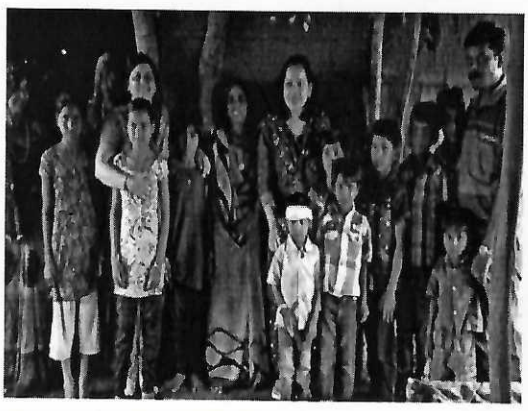

उनकी फलिया के बच्चों ने भी उनसे व उनके समूह से प्रभावित होकर, एक बच्चों का समूह बनाया जिसे रवेती दीदी ने अवधारणा एवं बचत का महत्व समझाया। बच्चों के समूह से जुडे बच्चे फिजूल खर्चों से बचत करते हैं, पढाई के लिए उपयोगी पुस्तक, किताब, पेन–कापी आदि के लिए वे कर्ज स्वरुप पैसा भी लेते व समय पर वापस करते हैं। उनके द्वारा नई पीढी को अभिप्रेरित कर, बचत की भावना एवं उसके सदुपयोग की चर्चा पूरे गांव के लिए मिशाल बनी है।

सामाजिक बदलावः–

चूंकि समूह से सिर्फ आर्थिक मद्द ही नहीं वरन् जागरुकता के विषयों पर भी समझ बनीं जिसके चलते स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत ग्राम में शौचालयों के महत्व एवं आवश्यकता का प्रचार–प्रसार किया, व्यक्तिगत अभिप्रेरणा के परिणामस्वरुप स्वच्छ भारत मिशन के तहत् 60 शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य आजीविका मिशन अंतर्गत ग्राम संगठन के माध्यम से लेकर, 60 शौचालयों का निर्माण पूर्ण करवाया जाकर उपयोग भी सुनिश्चित हुआ है। इनके द्वारा ग्राम स्तर पर किये गये प्रयासों से उक्त ग्राम ओडीएफ हो चुका है।

ग्राम में स्कूल व आंगनवाड़ी में बच्चों को भेजने, बाल विवाह हेतु ग्राम वासियों को अभिप्रेरित कर रहीं है। महिलाओं एवं बच्चों के टीकाकरण हेतु अभिप्रेरित करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा है।

सामाजिक सरोकार

रवेती दीदी के अभिप्रेरण के सहयोग से फलिया हेतु ग्राम सभा में खरंजा रोड निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत करवाया जाकर कार्य सम्पन्न कराया गया। साथ ही ग्राम सभा में ग्राम संगठन की बैठक के लिए भवन आबंटन का प्रस्ताव भी ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत किया जाकर, कार्यालय संचालन की स्वीकृति प्रदान की गई है।

ग्रामीण गरीब परिवारों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत पात्रता पर्ची के प्रति जागरुकता, बाल–विवाह, बाल मजदूरी, बालिका–बालक भेदभाव के प्रति सामाजिक जनजागरुकता, ग्राम सभा की ताकत, विभिन्न विभागों से समन्वय आदि विषय पर अभिप्रेरण किया गया है, जोकि अन्वरत जारी है।

रवेती बनाम सम्मानों की बहार

रवेती बेन को उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु जिला स्तर से उत्कृष्ट सामुदायिक स्त्रोत व्यक्ति (सीआरपी) जिले से उत्कृष्ट महिला संवादक के रुप में चयन, उत्कृष्ट महिला प्रेरक के रुप में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत **राज्य स्तरीय सम्मान** से भी सम्मानित किया गया है।

रवेती बाई की अर्जित परिसंपत्तियां

रवेती के परिसंपत्तियों का विवरण निम्नानुसार है –

क.	परिसंपत्ति का नाम	परिसंपत्ति का मूल्य (लाख रु.में)	क.	आय के स्रोत	मासिक आय के स्रोत
1	मोटर साइकल	22500	1	सेन्टिंग कार्य	7100
2	आभूषण	15600	2	भैंस पालन	2700
3	स्वयं की बचत	5880	3	खम्बा निर्माण	3200
			4	कृषि कार्य	6600
			5	सीआरपी मानदेय	2400
कुल		**43980**	**कुल**		**22000**

रवेती बाई की भविष्य की सोच

रवेती दीदी का सपना ग्राम को गरीबी से मुक्त एवं सम्पूर्ण स्वच्छता के साथ निर्मल ग्राम बनाने का था इनकी अभिप्रेरणा एवं परिश्रम से यह काम पूर्ण हुआ। रवेती अपने पीछे मुड़कर पुराने दिनों में दैनिक मजदूरी में किए गए कार्यों को नहीं देखना चाहतीं। आज वह नई गतिविधि कपड़े की दुकान खोलकर अपनी वित्तीय स्थिति में और सुधार लाना चाह रहीं हैं।